

शासक थे 2. एक राग जो मालकोस राग से संबंधित है।

मेवाड़-केसरी पुं. (देश.) महाराणा प्रताप।

मेवाड़ी वि. (देश.) 1. मेवाड़ प्रदेश का रहने वाला 2. मेवाड़ से जो संबंधित हो पुं. मेवाड़वासी स्त्री. मेवाड़ की बोली।

मेवात पुं. (देश.) 1. राजस्थान और सिंध के मध्य भाग का प्राचीन नाम 2. मेव जाति के लोगों का निवास स्थान।

मेवाती पुं. (देश.) मेवात का रहने वाला वि. मेवात का स्त्री. मेवात की बोली।

मेवा-फरोश पुं. (फा.) फल और मेवा का विक्रेता या मेवा बेचने वाला दुकानदार।

मेवासा पुं. (देश.) मवास, दुर्ग या किला।

मेवासी वि. (देश.) 1. किले या दुर्ग में होने वाला 2. दुर्ग में रहने वाला 3. सुरक्षित पुं. दुर्ग का स्वामी या अधिकारी, दुर्गपति।

मेष पुं. (तत्.) 1. भेड़ 2. ज्योतिष में बारह राशियों में से प्रथम राशि 3. मेष राशि में सूर्य की संक्राति तेरह या चौदह अप्रैल को लगती है 4. जीव शाक, सुसना।

मेषपाल पुं. (तत्.) 1. भेड़पालक, गड़रिया।

मेषलोचन पुं. (तत्.) चकवँड़।

मेषवल्ली स्त्री. (तत्.) मेढासिंगी नामक एक लता जो पेड़ पर लिपटती चली जाती है, इसका पीला फूल तथा फल में रुई और बीज रहता है।

मेष-विषाणिका स्त्री. (तत्.) मेढासिंगी।

मेष-शृंग पुं. (तत्.) सिंगिया नामक एक प्रकार का विष।

मेष-शृंगी स्त्री. (तत्.) मेढासिंगी नामक लता, यह दवा के रूप में बहुत उपयोगी है, साँप के काटने पर इसकी जड़ या छाल को एरंड के तेल के साथ मिलाकर लगाया जाता है।

मेष-संक्रांति स्त्री. (तत्.) 1. सूर्य के मेष राशि में प्रविष्ट होने का समय जो प्रायः तेरह या चौदह अप्रैल को आता है और उसे पुण्यकाल माना जाता है।

मेषांड पुं. (तत्.) 1. इंद्र 2. सौर वर्ष का प्रथम दिन।

मेषा स्त्री. (तत्.) 1. छोटी इलाचयी 2. लाल भेड़ की खाल से बनाया जाने वाला चमड़ा।

मेषिका स्त्री. (तत्.) मेषी।

मेषी स्त्री. (तत्.) 1. मादा भेड़ 2. जटामासी।

मेस पुं. (अं.) एक प्रकार का भोजनालय जहाँ संयुक्त रूप से किसी वर्ग के लोगों के लिए भोजन बनाया जाता हो जैसे- किसी संस्था के छात्रों का मेस।

मेसू पुं. (देश.) बेसन से बनी एक प्रकार की मिठाई, बर्फी।

मेसूरण पुं. (तत्.) ज्योतिष में जन्मलग्न से दशम स्थान जिसे कर्म-स्थान कहा जाता है।

मेस्मेरिज्म पुं. (अं.) 1. 'मेज्मर' नामक जर्मन डाक्टर का एक प्रसिद्ध सिद्धांत जिसके अनुसार मनुष्य किसी आंतरिक शक्ति से दूसरे की इच्छा शक्ति को प्रभावित या वशीभूत करके मूर्च्छित कर सकता है। 2. सम्मोहिनी विद्या।

मेहँदिया वि. (देश.) 1. मेंहदी के रंग का, हरापन युक्त लाल रंग का पुं. उक्त प्रकार का रंग।

मेहँदी स्त्री. (देश.) कँटीली झाड़ीनुमा छोटी हरी पत्तियों का एक प्रकार का पौधा जिसकी पत्तियों को पीसकर हथेलियों व तलवों पर कलात्मक ढंग से लगाते हैं तथा जल्दी ही सूखने के बाद वे लाल रंग के हो जाते हैं।

मेह पुं. (तत्.) 1. प्रमेह नामक रोग 2. मूत्र 3. कोई ऐसा रोग जिसमें मूत्र के साथ अन्य प्रदूषित और विकृत तत्व का निस्सरण होता है जैसे- मधुमेह पुं. 1. मेष, भेड़ 2. मेघ 3. वर्षा।

मेहतर पुं. (फा.) 1. महान् या प्रतिष्ठित व्यक्ति, बुजुर्ग 2. भंगी।